University in News on 22 February 2025

PIONEER PAGE 3

मनुष्य का मौलिक चिंतन एकमात्र अपनी मातृभाषा में होता है: प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

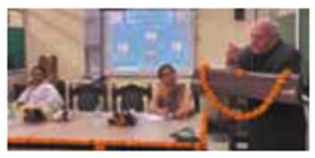

लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त साहित्यकार प्रो सूर्य प्रसाद दीक्षित, सभापति, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा ने कहा कि मनुष्य का मौलिक चिंतन एकमात्र अपनी मातृभाषा में होता है, दूसरी भाषा में बोलना अनुवाद है। हमें मानक भाषा और मातृभाषा को साथ में लेकर चलना चाहिए तभी चिंतन की ऊर्जा नए विचारों, नए आविष्कारों का सृजन करती है। उन्होंने कहा कि एक ही वैश्विक संस्कृति सबको प्रभावित कर रही है। एक समय लगभग 15000 भाषाएं बोली, समझी जाती थीं और आज लगभग 600 कामकाजी भाषाएं रह गई हैं, इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा पर जोर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी बोली या भाषा का बिछोह मातृ बिछोह की तरह होता है। सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय के कला संकाय अध्यक्ष एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो हरीश शर्मा ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए। भले ही हम बहुभाषा सीखें, लेकिन अपनी भाषा में काम करते हुए हीनता का अनुभव न करें। विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार ने एक पंजाबी कविता का भाव बताते हुए कहा कि जैसे मां से बात करते हुए बालक को किसी भाषा की आवश्यकता नहीं होती, वैसे ही मातृभाषा में काम करते हुए विशेष प्रयास नहीं करना पड़ता है। प्रो. पवन अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भले ही हमारी मातृ बोली ब्रज, अवधी, बुंदेली या कुछ और हो लेकिन हमारी 19 बोलियां की मातृभाषा हिंदी ही है।

i-NEXT PAGE 4

कबड्डी में कैलाश हॉस्टल के आगे सब हो गए ढेर

एलयू में इंटर हास्टल कंपटीशन फेस्ट-2025 का तीसरा दिन

LUCKNOW (21 FEB): लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे 10 दिवसीय इंटर हास्टल कंपटीशन फेस्ट-2025 के तीसरे दिन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सेकंड कैंपस में छात्रों के बीच क्रिकेट टूर्नामेंट हुआ. कौटिल्य हाल, सुभाष हाल, लालबहादुर शास्त्री हाल और महमूदाबाद हाल ने अपने प्रारंभिक चरण के मैच जीतकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया. डा. बीआर अंबेडकर हास्टल में आयोजित कबड्डी में कैलाश हास्टल को पहला और चंद्रशेखर आजाद गर्ल्स हास्टल को दूसरा स्थान मिला.

क्विज कंप्टीशन का आयोजन

सह संयोजक डा. राजेश्वर यादव ने बताया कि महिला अंत:वासियों के लिए आयोजित क्विज और जैम प्रतियोगिता में बीआर अंबेडकर हास्टल को पहला स्थान मिला. तिलक हाल में प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव और प्रो. डीके सिंह को गेस्ट आफ आनर से सम्मानित किया गया. विश्वकर्मा सभागार में सोलो डांस, ग्रुप डांस एवं स्किट प्रतियोगिता भी हुई. विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि शनिवार को बैडमिंटन, पोस्टर, डिबेट, रंगोली प्रतियोगिता होगी.

JAGRAN CITY PAGE III

'अपनी भाषा पर न करें हीनता का अनुभव'

जासं ● लखनऊ : 'मनुष्य का मौलिक चिंतन एक मात्र अपनी मातृभाषा में होता है। दूसरी भाषा में बोलना अनुवाद है। हमें मानक भाषा और मातृ भाषा को साथ में लेकर चलना चाहिए, तभी चिंतन की ऊर्जा नए विचारों, नए आविष्कारों का सृजन करती है।' यह विचार साहित्यकार एवं राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सभापति प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने रखे। वह शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा, 'एक ही वैश्विक संस्कृति सबको प्रभावित कर रही है। एक समय लगभग 15000 भाषाएं बोली, समझी जाती थीं। आज लगभग 600 कामकाजी भाषाएं रह गई हैं। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा पर जोर दिया गया है।'

कार्यक्रम में साहित्यकार प्रोफेसर सूर्य प्रसाद दीक्षित ने अपने विचार रखे ● लवि

सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय के कला संकाय अध्यक्ष प्रो. हरीश शर्मा ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए। भले ही हम बहुभाषा सीखें, लेकिन अपनी भाषा में काम करते हुए हीनता का अनुभव न करें। विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार ने पंजाबी कविता का भाव बताते हुए कहा कि जैसे मां से बात करते हुए बालक को किसी भाषा की आवश्यकता नहीं होती, वैसे ही मातृभाषा में काम करते हुए विशेष प्रयास नहीं करना पड़ता है।

शौर्योत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई खेल प्रतिभा

जागरण संवाददाता, लखनऊ: खेलों के प्रति विद्यार्थियों में उत्साह बढ़ाने के लिए इंस्टीट्यूट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी(आइईटी) लखनऊ में तीन दिवसीय शौर्योत्सव-2025 के तहत शुक्रवार को खेल महोत्सव की शुरुआत हुई। पूर्व हाकी ओलंपियन सैयद अली, सुजीत कुमार, यूपी हाकी फेडरेशन के संयुक्त सचिव अविनाश श्रीवास्तव, आइईटी एलुमिनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष अंजनी श्रीवास्तव, डा.सत्येंद्र सिंह व डा.पवन कुमार तिवारी की मौजूदगी में संस्थान के निदेशक प्रो. विनीत कंसल ने शौर्योत्सव का उद्घाटन किया।

निदेशक ने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलों को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। सैयद अली ने कहा कि देश को बेहतर इंजीनियरों के साथ अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की भी महती आवश्यकता है। पहले दिन विद्यार्थियों ने क्रिकेट, बास्केटबाल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, फुटबाल और वालीबाल की प्रतियोगिताएं हुईं। खेल महोत्सव में शामिल 72 टीमें तीनों दिनों के अंदर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

कबड्डी में कैलाश हास्टल को पहला स्थान मिला : लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे 10 दिवसीय इंटर हास्टल कंपटीशन फेस्ट- 2025 के तीसरे दिन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में छात्रों के बीच क्रिकेट टूर्नामेंट हुआ। कौटिल्य हास्त, सुभाष हाल, लालबहादुर शास्त्री हाल और महमूदाबाद हाल ने अपने प्रारंभिक चरण के मैच जीतकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया।

डा. बीआर अंबेडकर हास्टल में आयोजित कबड्डी में कैलाश हास्टल को पहला और चंद्रशेखर आजाद गर्ल्स हास्टल को दूसरा स्थान मिला। सह संयोजक डा. राजेश्वर यादव ने बताया कि महिला अंत:वासियों के लिए आयोजित क्विज और जैम प्रतियोगिता में बीआर अंबेडकर हास्टल को पहला स्थान मिला।

तिलक हाल में प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव और प्रो. डीके सिंह को गेस्ट आफ आनर से सम्मानित किया गया। विश्वकर्मा सभागार में सोलो डांस, ग्रुप डांस एवं स्किट प्रतियोगिता भी हुई। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि शनिवार को बैडमिंटन, पोस्टर, डिबेट, रंगोली प्रतियोगिता होगी।

AMRIT VICHAR PAGE 9

कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली छात्राओं की टीम। अमृत विचार

कबड्डी में कैलाश हॉस्टल की छात्राओं ने मारी बाजी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि में कबड्डी में हुई छात्राओं की भिड़ंत

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे दस दिवसीय-इंटर हॉस्टल कॉम्पीटिशन फेस्ट के तीसरे दिन छात्राओं के मध्य कबड्डी मैच का आयोजन अम्बेडकर हास्टल में किया गया जिसमें प्रथम स्थान कैलाश हॉस्टल को तथा द्वितीय स्थान चन्द्रशेखर आजाद गर्ल्स हॉस्टल को मिला। विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में छात्रों के मध्य क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें कौटिल्य हाल, सुभाष हाल, लालबहादुर शास्त्री हाल एवं महमूदाबाद हाल ने अपने प्रारंभिक चरण के मैच जीतकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया है। आगामी चरण के दो सेमी फाइनल मैच कल पराजपे मैदान में खेले जाएंगे।

को-कनवीनर डॉ. राजेश्वर यादव ने बताया कि महिला अंत:वासियों हेतु क्विज़ एवं जैम प्रतियोगिता का आयोजन निवेदिता गर्ल्स हास्टल में किया गया। क्वीज में प्रथम स्थान अम्बेडकर हास्टल ने प्राप्त किया। जबकि तिलक हाल एवं निवेदिता हाल को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान मिला। तिलक हाल में प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव व प्रो. डीके सिंह को गेस्ट ऑफ़ ऑनर से सम्मानित किया गया। विश्वकर्मा सभागार में सोलो डांस, ग्रुप डांस एवं स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सोलो डांस में आरएस विष्ट को प्रथम स्थान, महमूदाबाद हाल को द्वितीय स्थान एवं सुभाष हाल को तृतीय स्थान मिला। ग्रुप डांस में प्रथम स्थान विष्ट को, द्वितीय स्थान महमूदाबाद को व सुभाष हाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

मनुष्य का मौलिक चिंतन सिर्फ अपनी मातृभाषा में होता है : प्रो. दीक्षित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त साहित्यकार प्रो.सूर्य प्रसाद दीक्षित, मौजूद रहे। इस दौरान सभापति, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, वर्धा ने कहा, मनुष्य का मौलिक चिंतन एकमात्र अपनी मातृभाषा में होता है, दूसरी भाषा में बोलना अनुवाद है। हमें मानक भाषा और मातृभाषा को साथ में लेकर चलना चाहिए तभी चिंतन की ऊर्जा नए विचारों, नए अविष्कारों का सृजन करती है। उन्होंने कहा, एक ही वैश्विक संस्कृति सबको प्रभावित कर रही है। एक समय लगभग 15000 भाषाएं बोली, समझी जाती थीं और आज करीब 600 कामकाजी भाषाएं रह गई हैं, इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा पर जोर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी बोली या भाषा का बिछोह मातृ बिछोह की तरह होता है। सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय के कला संकाय अध्यक्ष एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.हरीश शर्मा ने कहा, हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए। भले ही हम बहुभाषा सीखें, लेकिन अपनी भाषा में काम करते हुए हीनता का अनुभव न करें। विभागाध्यक्ष प्रो.रश्मि कुमार ने एक पंजाबी कविता का भाव बताते हुए कहा, जैसे मां से बात करते हुए बालक को किसी भाषा की आवश्यकता नहीं होती, वैसे ही मातृभाषा में काम करते हुए विशेष प्रयास नहीं करना पड़ता है।
प्रो.पवन अग्रवाल ने कहा, भले ही हमारी मातृ बोली ब्रज, अवधी, बुंदेली या कुछ और हो लेकिन हमारी 19 बोलियां की मातृभाषा हिंदी ही है।

इंटर हॉस्टल कॉम्पीटिशन फेस्ट में छात्रों की प्रतिभा उजागर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे दस दिवसीय इंटर हॉस्टल कॉम्पीटिशन फेस्ट- 2025 के तीसरे दिन संस्थान के द्वितीय परिसर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। चीफ प्रोवोस्ट प्रो.अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सर्वप्रथम छात्रों के मध्य क्रिकेट प्रतियोगिता में कौटिल्य हाल, सुभाष हाल, लालबहादुर शास्त्री हाल एवं महमूदाबाद हाल ने अपने प्रारंभिक चरण के मैच जीतकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया है। आगामी चरण के दो सेमी फाइनल मैच कल पराजपे मैदान में खेले जाएंगे। इसी तरह छात्राओं के मध्य कबड्डी मैच का आयोजन डा.बीआर आंबेडकर हास्टल में किया गया जिसमें प्रथम स्थान कैलाश हॉस्टल को तथा द्वितीय स्थान चन्द्रशेखर आजाद गर्ल्स हास्टल को मिला। को-कनवीनर डा.राजेश्वर यादव ने बताया कि महिला अंतःवासियों के लिए क्विज़ एवं जैम प्रतियोगिता का आयोजन निवेदिता गर्ल्स हास्टल में किया गया। क्वीज में प्रथम स्थान बीआर अम्बेडकर हास्टल ने प्राप्त किया। जबकि तिलक हाल एवं निवेदिता हाल को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान मिला। तिलक हाल में प्रो.दुर्गेश श्रीवास्तव एवं प्रो.डीके सिंह को गेस्ट ऑफ़ ऑनर से सम्मानित किया गया। इसी तरह विश्वकर्मा सभागार में सोलो डांस, ग्रुप डांस एवं स्किट प्रतियोगिता हुई। सोलो डांस में आरएस बिष्ट को प्रथम स्थान, महमूदाबाद हाल को द्वितीय स्थान एवं सुभाष हाल को तृतीय स्थान मिला। वहीं, ग्रुप डांस में प्रथम स्थान आरएस विष्ट को, द्वितीय स्थान महमूदाबाद एवं सुभाष हाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। स्किट प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान सुभाष हाल एवं हबीबुल्लाह हाल को प्रथम स्थान, होमी जहांगीर भाभा हाल को द्वितीय एवं महमूदाबाद हाल को तृतीय स्थान मिला।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

कबड्डी में कैलाश हॉस्टल अव्वल

लखनऊ। लविवि में इंटर हॉस्टल कॉम्पीटिशन फेस्ट 2025 के तीसरे दिन द्वितीय परिसर में मुकाबले हुए। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि कौटिल्य हॉल, सुभाष हॉल, लाल बहादुर शास्त्री हाल व महमूदाबाद हॉल ने क्रिकेट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। छात्राओं की कबड्डी प्रतियोगिता में कैलाश हॉस्टल प्रथम तथा चंद्रशेखर आजाद गर्ल्स हॉस्टल द्वितीय रहे। सह समन्वयक डॉ. राजेश्वर यादव ने बताया कि क्विज में बीआर अम्बेडकर हॉस्टल प्रथम, तिलक व निवेदिता हॉल दूसरे व तीसरे स्थान पर आए। प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव व प्रो. डीके सिंह को गेस्ट ऑफ ऑनर दिया गया। (संवाद)

31 मार्च तक कर सकेंगे छात्रवृत्ति आवेदन

लखनऊ। लविवि में अनुसूचित जाति-जनजाति के जो विद्यार्थी छात्रवृत्ति फॉर्म भरने से वंचित रह गए हैं, उन्हें 31 मार्च तक मौका दिया गया है। समाज कल्याण विभाग ने आवेदन तिथि बढ़ा दी है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने शुक्रवार को पत्र जारी करते हुए सभी विभागाध्यक्षों और संकायध्यक्षों को कार्यवाही के निर्देश दिए। बताया कि दोबारा पोर्टल खोलने से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं, जिससे शिक्षक अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक सूचना साझा कर पाएं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

चिंतन अपनी भाषा में, दूसरी में बोलना अनुवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। जिसमें वक्ताओं ने भाषा के महत्व से परिचित कराया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कहा कि मनुष्य का मौलिक चिंतन एकमात्र अपनी मातृभाषा में होता है। दूसरी भाषा में बोलना अनुवाद है। हमें मानक भाषा और मातृभाषा को साथ में लेकर चलना चाहिए।